अनमोल विचार

सब कुछ खोने के बाद भी अगर आपमें **हौंसला** है तो समझ लीजिये आपने कुछ नहीं खोया

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

इस सप्ताह का विचार

आलस्य में बिताया गया जीवन आत्महत्या के समान हैं !

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-1 • 13 MARCH TO 19 MARCH 2020 • VOLUME-27 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

प्रधानमंत्री शिकायत निवारण कार्यालय पोर्टल डाकखाने की तर्ज पर काम ना करे

■ विजय कुमार की विशेष रिपोर्ट

पिछले करीबन 6 वर्षों से देश की केन्द्रीय सरकार में भाजपा द्वारा नेतृत्व किया जा रहा है जिसमें भाजपा शासित प्रधानमंत्री द्वारा लोगों की शिकायतों के निवारण के लिए एक पोर्टल भी चलाया गया जिससे भाजपा लोगों में यह संदेश देना चाहती है कि हमारे द्वारा पेश किया गया चेहरा प्रधान सेवक के रूप में जनता की मुश्किलों का हल करेगा और लोगों का देश में पिछली सरकारों के प्रति गुस्सा और निराशा को दूर करेगा परन्तु ज़मीनी हकीकत कुछ ओर ही है प्रधान सेवक तो दिन-रात देश को आगे लाने के लिए मेहनत कर रहा है परन्तु प्रधानमंत्री के कार्यालय में जो भ्रष्ट अधिकारी बैठे हैं वो उनके सपनों का भारत वाले

सपने पर पानी फेरने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे है जिसके कई उदाहरण हैं परंतु उसका एक उदाहरण मुखयत: यह है कि प्रधानमंत्री द्वारा डीजिटल इंडिया को बढ़ावा देते हुए लोगों की शिकायत के निवारण के लिए अपने कार्यालय से एक ई-पोर्टल शुरू किया गया था जिसमें आप देश के किसी कोने में बैठकर ई-सेवा के माध्यम से आपकी प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पेश आ रही दिक्कतों कि शिकायत या किसी विभाग द्वारा आपकी बात को न सुनना और अनदेखा करना जैसी अनेकों रोज़मर्रा में आने वाली मुश्किलों की आप इस पोर्टल में शिकायत दर्ज करा सकते है परन्तु इस विभाग में बैठे भ्रष्ट अधिकारियों ने नीचे बैठे अधिकारियों के साथ ऐसा ताल-मेल बिठा लिया है आपको हर चीज़ का जवाब आपको पत्र जारी करके यह मिलेगा कि आपकी शिकायत इस अधिकारी को भेज दी गई है और इस अधिकारी से संपर्क साधने के बाद पता लगता है कि हम आपको जवाब भेज देंगे जिस सेवा को ई-सेवा बताया गया यह सिर्फ डाकिये का काम करता है इधर से उधर पत्र भेजने का और सरकारी धन का दुरूपयोग सफेद कागज को कंप्यूटर से प्रिंट निकालकर सिर्फ काला किया जा रहा है और लोगों की शिकायतों को ठेंगा दिखाया जा रहा है जिससे प्रधानमंत्री की ईमानदार छवि को बड़े स्तर पर कार्यालय में बैठे भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा ठेस पहुँचाई जा रही है।

पानी की बर्बादी की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाने की आवश्यकता

■ जालंधर से विजय कुमार की विशेष रिपोर्ट

अकाली-भाजपा सरकार के समय से सुनते आ रही वाटर मीटर पॉलिसी जिसके लिए कई बार चर्चा हुई परंतु उसको पूर्व सरकार अमल में लाने में विफल रही परंतु आजकल कांग्रेस की सरकार में बना कांग्रेसी पार्षदों के हाऊस में इसका मता डालकर चिंता प्रकट की गई की मुफ्त पानी को किसी हद तक ही मुहैया कराया जाए और उसकी निश्चित सीमा तय की जाए परन्तु अब दिल्ली के नतीजों के बाद कांग्रेस भी फ्री वाले फार्मूले को देखकर पानी का जोखिम मोल नहीं लेना चाहती परन्तु हैरानीजनक तथ्य जो सामने आए कि इस योजना को लागू करना तो पॉलिसी मैंटर है कब यह अमल में आएगा परन्तु जो चीजों की नोटीफीकेशन हो चुकी है जिसमें पानी की बर्बादी की रोकथाम के लिए अफसरों को दिशा-निर्देश जारी हो चुके हैं कि जिसमें कि उसने कारों की सफाई और धोने के लिए पाइप के प्रयोग पर रोकथाम और इसके विकल्प के रूप में बाल्टी का प्रयोग करना पौधों और गमलों में पानी हफ्ते में सिर्फ दो दिन और कर्मिशयल अदारों में रेन वाटर सिस्टम का अधिक से अधिक प्रयोग करना जैसे निर्देशों को लागू करने में विफल हो रहे हैं भ्रष्ट अफसरों के कारण जो जमीनी पानी का स्तर गिर रहा है और बार-बार नए ट्यूबवैल लगाए जा रहे है। जब तक वॉटर मीटर पॉलीसी लागू नहीं होती तब तक पानी की बचत के लिए और इसकी बर्बादी की रोकथाम के लिए गरीब परिवारों को टैंकी

भरने के बाद लगने वाले ऑटो कट जैसे बिजली उपकरण मुहैया करवाए सरकार और कर्मिशयल अदारों या रिहायशी अदारों में इसकी बर्बादी की जा रही है तो उनके चालान काटे और जो इलाके नगर-निगम की हद के बाहर विकसित हो चुके है जिसमें प्रमुखता से फगवाड़ा के अधीन गांव चेहड्डू-मेहड्डू जिसमें की पानी का प्रयोग समरसीबल पम्प के माध्यम से हो रहा है जिससे की टैंकियों के ओवर फ्लो से बढ़े स्तर पर लोगों द्वारा पानी की बर्बादी की जा रही है जो चिंता का विषय है।

पोस्टर मामला: सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर नहीं लगाया स्टे, बड़ी पीठ करेगी सुनवाई

■ नई दिल्ली/न्यूज नेटवर्क

उच्चतम न्यायालय ने लखनऊ में सीएए-विरोधी प्रदर्शन के दौरान तोड़फोड़ के आरोपियों के पोस्टर लगाने की उत्तर प्रदेश सरकार की कार्रवाई का समर्थन करने के लिये फिलहाल कोई कानून नहीं होने की बात करते हुए बृहस्पतिवार को इस मामले में उच्च न्यायालय के नौ मार्च के आदेश पर रोक लगाने से इंकार कर दिया और रजिस्ट्री को मामले के रिकॉर्ड प्रधान न्यायाधीश के सामने रखने के लिये कहा।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार

को पोस्टर हटाने का आदेश दिया था। न्यायालय ने कहा कि इस मामले में उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली उत्तर प्रदेश सरकार की याचिका पर बड़ी पीठ सुनवाई करेगी।

कोरोना के कहर से शेयर बाजार में भूचाल, चंद घंटों में निवेशकों के डूबे 8 लाख करोड़

■ नई दिल्ली/न्यूज नेटवर्क

विश्व स्वास्थ्य संगठन के कोरोना वायरस को महामारी घोषित करने के बाद दुनिया भर के बाजारों में हुई भारी गिरावट का असर घरेलू शेयर बाजारों में भी देखा गया और शुरुआती कारोबार के दौरान निवेशकों के आठ लाख करोड़ रुपये से अधिक डूब गए।

वैश्विक वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल के बीच 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,864.02 अंक या 5.22 प्रतिशत टूट कर 33,833.38 के स्तर पर आ गया। शेयर बाजार के पतन के चलते निवेशकों की 8.56 लाख करोड़ रुपये डूब गये।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बुधवार को कारोबार खत्म होने पर 137 लाख करोड़ रुपये था, जो गुरुवार को सुबह साढ़े 10 बजे तक घटकर 128 लाख करोड़ रुपये रह गया।

व्यापारियों ने कहा कि वैश्विक रुख के अलावा विदेशी फंड के लगातार बाहर जाने के चलते निवेशकों की भावनाओं पर प्रतिकूल असर पड़ा।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को सकल आधार पर 3,515.38 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची।

शुरुआती कारोबार के दौरान बीएसई में 1,789 शेयरों में गिरावट आई, जबकि सिर्फ 152 शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

आर्थिक मंदी की आशंका के बीच रुपये में भारी गिरावट

भारतीय रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82 पैसे की भारी गिरावट के साथ 74.50 रुपये पर आ गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने नए कोरोनोवायरस (कोविड-19)को महामारी घोषित कर दिया है, जिसके बाद दुनिया भर के बाजारों में कमजोरी देखी गई और इसका भारी असर घरेलू मुद्रा बाजार पर भी हुआ। कारोबारियों ने बताया कि बाजार के प्रतिभागियों ने कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते आर्थिक मंदी गहराने की आशंका के चलते भारी बिकवाली की। घरेलू शेयर बाजार में भी कमजोर शुरुआत हुई और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के चलते रुपये पर अतिरिक्त दबाव बना। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.68 के भाव पर बंद हुआ था। हालांकि, विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर पड़ने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से रुपये को थोड़ा सहारा मिला, लेकिन व्यापारियों का मानना है कि कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मंदी की आशंका बढ़ गई है।

तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनने की ख्वाहिश कभी नहीं की: रजनीकांत

■ चेन्नई/न्यूज नेटवर्क

सुपरस्टार रजनीकांत ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनने की उनकी ख्वाहिश कभी नहीं थी और राजनीति की उनकी योजना में भावी पार्टी और उसकी अगुवाई वाली संभावित सरकार के अलग-अलग प्रमुख होंगे।

अभिनेता ने 31 दिसंबर 2017 को राजनीति में आने का ऐलान करने के बाद, अपनी पहली आधिकारिक प्रेस वार्ता में यह भी कहा कि उनकी योजना है कि मुख्यमंत्री के तौर पर किसी पढ़े लिखे युवक को नियुक्त किया जाए जो करूणामय हो और जिसमें

आत्म सम्मान हो।

रजनीकांत ने कहा कि पार्टी और सरकार के लिए दो अलग अलग नेतृत्व व्यवस्था से पार्टी का प्रमुख मुद्दों को उठाने के लिए 'विपक्ष' के तौर पर काम करेगा और अगर सरकार प्रदर्शन करने में विफल रहती है तो वह सरकार के प्रमुख को 'हटाने' में संकोच नहीं करेगा। उनकी भावी पार्टी की तवज्जो काफी संख्या में 45 साल से कम उम्र के युवाओं को शामिल करने की है।

इसके अलावा सेवानिवृत्त न्यायाधीशों, आईएएस एवं आईपीएस अधिकारियों समेत अन्य को शामिल करने की है। 69 वर्षीय अभिनेता ने कहा,मैं खुद उनसे संपर्क करके उन्हें आमंत्रित करूंगा।

उम्मीदों के विपरीत, उन्होंने अपनी पार्टी बनाने को लेकर कोई ठोस बयान नहीं दिया,लेकिन युवाओं के आंदोलन का आह्वान किया जिसके बाद वह औपचारिक रूप से राजनीति में प्रवेश में करेंगे।

खादी ग्रामोद्योग की घड़ी में बना है चरखा, नितिन गडकरी ने संसद में अपनी घड़ी उतारकर दिखाई

■ नई दिल्ली/न्यूज नेटवर्क

लोकसभा में बुधवार को उस समय हल्का-फुल्का क्षण देखने को मिला जब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने खाद्यी ग्राम उद्योग द्वारा तैयार घड़ी का उल्लेख किया और कई सांसद यह कहते हुए सुने गए कि उन्हें भी यह घड़ी उपलब्ध कराई जाए।

दरअसल, सदन में प्रश्नकाल के दौरान 'उद्यम सखी पोर्टल' से जुड़े पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री गडकरी ने अपने हाथ से एक घड़ी उतारी और कहा कि खादी की तरफ से महिलाओं ने यह घड़ी तैयार की है

जिस पर चरखा भी बना हुआ है।

उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी घड़ी उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष (ओम बिरला) और उनकी पत्नी को भेंट की है।

इस पर कई सदस्य यह कहते सुने गए कि उन्हें यह घड़ी कब मिलेगी? इसके जवाब में गडकरी ने कहा कि इस घड़ी की कीमत पांच हजार रुपये है और सांसदों को विशेष छूट पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था कराई जाएगी।

मंत्री ने यह भी कहा कि 'उद्यम सखी पोर्टल' से सिर्फ 2012 महिलाएं रजिस्टर हुई हैं, लेकिन इस संख्या दो लाख और इससे ज्यादा ले जाना है। उन्होंने कहा कि सभी सांसद अपने क्षेत्रों में इसका प्रचार-प्रसार करें ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल सके।

हिमाचल जाने से पहले जान लें ये खबर, नहीं तो लौटना पड़ेगा वापस

■ शिमला/न्यूज नेटवर्क

हिमाचल प्रदेश के कुफरी, नरकंडा, किन्नौर और खड़ापत्थर समेत विभिन्न इलाकों में रातभर हुई बर्फबारी और शिमला में बारिश के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग-5 समेत विभिन्न सड़कें बंद हो गईं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

ताजा बर्फबारी के बाद पंजाब के फिरोजपुर को भारत-चीन सीमा पर शिप्की ला से जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-5) किन्नौर जिले में बंद हो गया है। नरकंडा और खड़ापत्थर में भी वाहनों की आवाजाही बंद है। राज्य की राजधानी शिमला में रातभर बारिश हुई। राज्य में बारिश और बर्फबारी के चलते शीतलहर चलने लगी है,

हिमाचल प्रदेश के कुफरी, नरकंडा, किन्नौर और खड़ापत्थर समेत विभिन्न इलाकों में रातभर हुई बर्फबारी और शिमला में बारिश के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग-5 समेत विभिन्न सड़कें बंद हो गईं। नरकंडा और खड़ापत्थर में भी वाहनों की आवाजाही बंद है। राज्य की राजधानी शिमला में रातभर बारिश हुई।

जिससे पारा कुछ डिग्री नीचे गिर गया है। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को बारिश और बर्फबारी होने की चेतावनी जारी की है। राज्य के अधिकतर इलाकों में घने बादल छाए रहेंगे।

एसबीआई के सभी बचत खाताधारकों को अब मिलेगी 'जीरो बैलेंस' की सुविधा

■ नई दिल्ली/न्यूज नेटवर्क

भारतीय स्टेट बैंक ने अपने सभी बचत खाताधारकों के लिए एक औसत मासिक न्यूनतम राशि रखने की अनिवार्यता बुधवार को समाप्त करने की घोषणा की। इससे अब बैंक के सभी बचत खाताधारकों को 'जीरो बैलेंस' खाते की सुविधा मिलने लगेगी। इसके अलावा बैंक ने सभी बचत खातों पर ब्याज दर समान रुप से तीन प्रतिशत वार्षिक कर दिया है। एसबीआई ने बुधवार को एक बयान में कहा कि देश में वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए उसने अपने सभी 44.51 करोड़ बचत खाताधारकों के लिए औसत मासिक न्यूनतम राशि (एएमबी) रखने की अनिवार्यता खत्म कर दी है। अभी मेट्रो शहरों के बचत खाताधारकों को औसत मासिक न्यूनतम राशि के तौर पर 3,000 रुपये, कस्बों में 2,000 रुपये और ग्रामीण इलाकों में 1,000 रुपये खाते में रखने होते हैं। औसत मासिक न्यूनतम राशि को बनाए नहीं रखने की स्थिति में खाताधारकों को पांच से 15 रुपये जुर्माने और करों का भुगतान करना होता है। एएमबी समाप्त किए जाने से बैंक के इन खाताधारकों को 'जीरो बैलेंस' (यानी कोई न्यूनतम राशि नहीं रखने) की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा बैंक ने त्रैमासिक आधार पर एसएमएस सेवा के लिए वसूले जाने वाले शुल्क को भी खत्म कर दिया है।

कोरोना: देश में संक्रमित लोगों की संख्या 73 हुई, हरियाणा में महामारी घोषित

नई दिल्ली/न्यूज नेटवर्क

भारत में कोरोना वायरस के प्रकोप का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को कोरोना वायरस के नए मामलों में भारी इजाफा देखा गया है। अब तक भारत में कोरोना के मामलों की संख्या बढ़कर 73 पर पहुंच गई है। इन 73 में 17 विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। कोरोना वायरस के प्रकोप को देखते हुए हरियाणा की सरकार ने इसे महामारी घोषित किया है। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक अब तक देश के 56 लोग कोरोना से पॉजिटिव पाए गए हैं। भारत सरकार के मुताबिक 10 मार्च की शाम तक देश में कोरोना के पुष्ट मामलों की संख्या 50 थी, लेकिन

बुधवार को 10 नए मामले के साथ ही ये संख्या बढ़कर 60 हो गई। आज 13 नए मामलों के साथ ही इसकी संख्या अब 73 पर पहुंच गई है। आपको बता दें कि कोरोना वायरस का प्रकोप देश के कई राज्यों में फैल चुका है।

देश ही नहीं दुनिया भी कोरोना वायरस की चपेट में है।

दुनिया भर में अब तक कोरोना वायरस के 118,000 से अधिक मामलों की पुष्टि हुई है, जबकि मरने वालों की संख्या 4300 के करीब पहुंच गई है।

दखल

आने वाले कल के लिए चेतावनी

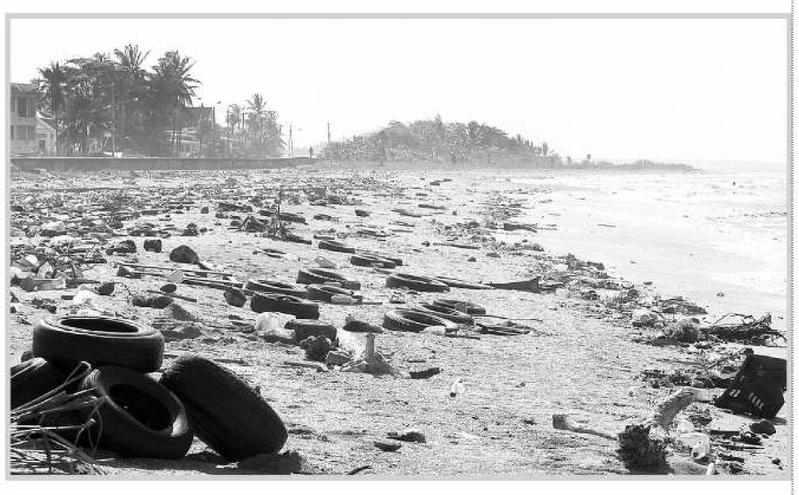

मौसम विभाग के अनुसंधानकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि इस साल कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में और भी अधिक तेजी आ सकती है। अभी हाल ही में खबर आई थी कि साल 2018 सबसे गर्म साल था। अब अगर 2019 को उससे भी गर्म साल बताया जा रहा है, तो यह आने वाले कल के लिए चेतावनी है। बेहतर है कि हम बहस में पड़ने के बजाय राहत के उपाय तलाशें और पर्यावरण को बेहतर बनाएं।

बढ़ते प्रदूषण के बीच बढ़ रही वैश्विक चिंता के बीच यह खुलासा और भी परेशान करने वाला है कि इस साल कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में और भीअधिक तेजी आ सकती है। गौरतलब है कि यह खुलासा मौसम विभाग के अनुसंधानकर्ताओं ने किया है। उन्होंने शोध में यह पाया है कि हवाई स्थित मौना लोआ वेधशाला में वायुमंडल में कार्बन डाईऑक्साइड की सघनता में 1958 से करीब 30 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। इसका मुख्य कारण जीवाश्म ईंधनों, वनों की कटाई एवं सीमेंट उत्पादन है। मौसम विज्ञान कार्यालय ने आशंका जाहिर की है कि इस साल कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन वर्ष 2018 की तुलना में 2.75 भाग प्रति दस लाख अधिक होगा। शोधकर्ताओं की मानें तो वर्ष 2019 में औसत कार्बन डाईऑक्साइड सघनता 411.3 पीपीएम रहने की संभावना है। अगर ऐसा हुआ तो 2019 सबसे गर्म साल रहेगा।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 में धरती का वैश्विक सतह तापमान 1880 के बाद से अब तक का चौथा सबसे गर्म तापमान रहा। नासा के गोडार्ड इंस्टीट्यूट ऑफस्पेस स्टडीज के मुताबिक वर्ष 2018 में वैश्विक तापमान 1951 से 1980 के औसत तापमान से 0.83 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। गौर करें तो इस स्थिति के लिए काफी हद तक कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन ही जिम्मेदार है। एक आंकड़ें के मुताबिक अब तक वायुमंडल में 36 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड की वृद्धि हो चुकी है और 24 लाख टन ऑक्सीजन समाप्त हो चुकी है। अगर यही स्थिति रही तो 2050 तक पृथ्वी के तापक्रम में लगभग चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि तय है। वैज्ञानिकों की मानें तो बढ़ते तापमान के लिए मुख्यतः ग्लोबल वार्मिंग है और इससे निपटने की त्वरित कोशिश नहीं हुई तो आने वाले वर्षों में धरती का खौलते कुंड में परिवर्तित होना तय है। अमेरिकी वैज्ञानिकों की मानें तो वैश्विक औसत तापमान पिछले सवा सौ सालों में अपने उच्चतम स्तर पर है। औद्योगिकरण की शुरुआत से लेकर अब तक तापमान में 1.25 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो चुकी है।

आंकड़ों के मुताबिक 45 वर्षों से हर दशक में तापमान में 0.18 डिग्री सेल्सियस का इजाफा हुआ है। आइपीसीसी के आकलन के मुताबिक 21 सवीं सदी में पृथ्वी के सतह के औसत तापमान में 1.1 से 2.9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की आशंका है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने वायु में मौजूद ऑक्सीजन और कार्बन डाईऑक्साइड के अनुपात पर शोध में पाया है कि बढ़ते तापमान के कारण वातावरण से ऑक्सीजन की मात्रा तेजी से कम हो रही है। पिछले आठ सालों में वातारवरण से ऑक्सीजन काफी रफ्तार से घटी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पृथ्वी का तापमान जिस तेजी से बढ़ रहा है उस पर काबू नहीं पाया गया तो अगली सदी में तापमान 60 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक अगर पृथ्वी के तापमान में मात्र 3.6 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होती है तो आर्कटिक के साथ-साथ अंटाकर्टिका के विशाल हिमखंड पिघल जाएंगे। देखा भी जा रहा है कि बढ़ते तापमान के कारण उत्तरी व दक्षिणी ध्रुव की बर्फ चिंताजनक रूप से पिघल रही है। अगर बर्फ का पिघलना थमा नहीं तो आने वाले वर्षों में न्यूयॉर्क, लॉस एंजिल्स, पेरिस, लंदन, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, पणजी, विशाखापट्टनम कोचीन और त्रिवेंद्रम नगर समुद्र में होंगे।

वर्ष 2007 की इंटरगवर्नमेंटल पैनल की रिपोर्ट के मुताबिक बढ़ते तापमान के कारण दुनिया के करीब 30 पर्वतीय ग्लेशियरों की मोटाई अब आधे मीटर से कम रह गई है। हिमालय क्षेत्र में पिछले पांच दशकों में माउंट एवरेस्ट के ग्लेशियर दो से पांच किलोमीटर सिकुड़ गए हैं। 76 फीसद ग्लेशियर चिंताजनक गति से सिकुड़ रहे हैं। कश्मीर और नेपाल के बीच गंगोत्री ग्लेशियर भी तेजी से सिकुड़ रहा है। अनुमानित भूमंडलीय तापन से जीवों का भौगोलिक वितरण तक भी प्रभावित हो सकता है। कई जातियां धीरे-धीरे ध्रुवीय दिशा या उच्च पर्वतों की ओर विस्थापित हो जाएंगी। जातियों के वितरण में इन परिवर्तनों का जाति विविधता तथा पारिस्थितिकी अभिक्रियाओं आदि पर गहरा असर पड़ेगा। यहां ध्यान रखना होगा कि पृथ्वी पर लगभग 12 करोड़ वर्षों तक राज करने वाले डायनासोर नामक दैत्याकार जीवों के समाप्त होने का कारण भूमंडलीय तापन ही था। बढ़ते तापमान पर नियंत्रण के लिए भारत एवं वैश्विक समुदाय को कमर कसना होगा। पर्यावरणविदों की मानें तो बढ़ते तापमान के लिए मुख्यतः ग्रीन हाउस गैस, वनों की कटाई और जीवाश्म ईंधन का दहन है। तापमान में कमी तभी आएगी जब वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में कमी होगी।

आंकड़ों पर गौर करें तो वर्ष 2000 से 2010 तक वैश्विक कार्बन उत्सर्जन की दर प्रतिवर्ष तीन फीसद रही जबकि भारत के कार्बन उत्सर्जन में यह वृद्धि पांच फीसद रही। यानी 2014 की तुलना में 2015 में भारत ने पांच फीसद से ज्यादा कार्बन उत्सर्जित किया। कार्बन उत्सर्जन के लिए सर्वाधिक रूप से कोयला ही जिम्मेदार है। हालांकि ग्लोबल कार्बन प्रोजेक्ट की रिपोर्ट पर गौर करें तो अमेरिका और चीन ने कोयले पर अपनी निर्भरता काफी कम कर दी है। इसके स्थान पर वह तेल और गैस का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन भारत की बात करें तो उसकी कुल आबादी का एक बड़ा हिस्सा आज भी कोयले पर निर्भर है। अच्छी बात यह है कि भारत ने गत वर्ष पहले ही पेरिस जलवायु समझौते को अंगीकार करने के बाद क्योटो प्रोटाकाल के दूसरे लक्ष्य को अंगीकार करने की मंजूरी दे दी है। इसके तहत देशों को 1990 की तुलना में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को 18 फीसद तक घटाना होगा। भारत के इस कदम से अन्य देश भी इसे अंगीकार करने के लिए आगे आएंगे। उल्लेखनीय है कि उद्योगों से निकलने वाली ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए 11 दिसंबर, 1997 को जापान के क्योटो शहर में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में 192 देशों के बीच यह संधि हुई। 16 फरवरी-2005 को यह प्रभावी हुई। विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों को लक्ष्य पूरा करने आर्थिक और तकनीकी मदद उपलब्ध कराना भी इसका हिस्सा है।

गौरतलब है कि संधि का पहला लक्ष्य 2008-12 के लिए तय हुआ था। इसमें औद्योगिक अर्थव्यवस्था वाले 52 देशों ने चार ग्रीन हाउस गैसों (कार्बन डाई ऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड और सल्फर हेक्साफ्लोराइड) का उत्सर्जन 1990 की तुलना में 5 फीसद तक घटाने का लक्ष्य रखा था। अन्य देशों ने भी इसके लिए अपने-अपने लक्ष्य रखे थे। गौर करें तो पेरिस जलवायु समझौते पर भी भारत ने दुनिया को राह दिखाई है। 2020 से कार्बन उत्सर्जन को घटाने संबंधित प्रयास शुरू करने के लिए दिसंबर-2015 को यह संधि हुई। इस संधि पर 192 देशों ने हस्ताक्षर किए। 126 देश इसे अंगीकार कर चुके हैं। भारत ने दो अक्टूबर-2016 को इसे अंगीकार करके अन्य देशों को भी अंगीकार करने की राह दिखाई। फिर कुछ अन्य देशों द्वारा इसे अंगीकार किए जाने पर 4 नवंबर-2016 को यह प्रभावी हुआ। इसके तहत बढ़ते वैश्विक औसत तापमान को दो डिग्री सेल्सियस पर ही रोकने का लक्ष्य तय है। पृथ्वी के तापमान को स्थिर रखने और कार्बन उत्सर्जन के प्रभाव को कम करने के लिए कंक्रीट के जंगल का विस्तार और अंधाधुंध पर्यावरण दोहन पर लगाम कसनी होगी। कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन पर नियंत्रण के उपाय करने होंगे।

विचार

सिंधिया के संदेश को समझे कांग्रेस

2019 में पारंपरिक गुना सीट से लोकसभा चुनाव हार के बाद से ज्योतिरादित्य को पार्टी छोड़ने की जरूरत महसूस होने लगी थी। उन्होंने अपने इस्तीफे में इसका जिक्र भी किया है। बहरहाल, सिंधिया कांग्रेस में नहीं हैं, तो पार्टी भरपाई कैसे करेगी, देखने वाला होगा।

मध्य प्रदेश में भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया को अपने पाले में करके कांग्रेस सरकार की जड़ें हिला दी हैं। सिंधिया गुट के 20 विधायकों के इस्तीफे के बाद मंगलवार दोपहर में कांग्रेस के और विधायक ने इस्तीफा दे दिया। यह पूरा घटनाक्रम एक दिन का नहीं है। इसकी पटकथा लंबे समय से लिखी जा रही थी और दिल्ली से मध्यप्रदेश तक बैठे कांग्रेस के नेताओं को इसकी भनक भी नहीं लगी। आभास तो था मगर सब सिंधिया के भाजपा में न जाने को लेकर आश्वस्त थे। लेकिन कहा जाता है कि राजनीति में कब क्या हो जाए...कुछ ऐसा ही अब हुआ है। राहुल गांधी के साथ सड़क से लेकर संसद की राजनीति में हर वक्त साथ खड़े दिखने वाले सिंधिया ने जब पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दिया, तो उसकी टाइमिंग भी गौर करने वाली है। 10 मार्च को उनके पिता माधव राव सिंधिया की संयोगवश जयंती भी थी और उन्होंने चोला बदलने का यही दिन तय किया। पिता जीवन की आखिरी घड़ी तक देश की सबसे पुरानी पार्टी से जुड़े रहे, बेटे ने पिता की जयंती पर उसी पार्टी को छोड़ देने की घोषणा की जिससे वह खुद 18 सालों तक जुड़े रहे। इसे इत्तेफाक कहेंगे या फिर यह ज्योतिरादित्य की सोची-समझी रणनीति है। वह आखिर क्या संदेश देना चाहते हैं।

ज्योतिरादित्य ने हालांकि 9 मार्च यानी को कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष के नाम इस्तीफे की चिट्ठी लिखी थी, लेकिन घोषणा पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद 10 मार्च को की। 26 साल की उम्र में संसद की दहलीज लांघने वाले माधवराव सिंधिया ने राजनीतिक करियर की शुरुआत जनसंघ से की थी, पर यह साथ ज्यादा लंबा नहीं चला और मां विजयाराजे की राजनीतिक लाइन से हट 1977 में कांग्रेस में चले गए। पूर्व पीएम राजीव गांधी और पीवी नरसिम्हा राव के कार्यकाल में उन्हें अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभालने का भी मौका मिला। वर्ष 1986 से 1995 तक कांग्रेस की अलग-अलग सरकारों में रेल राज्यमंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्री, नागरिक उड्डयन और पर्यटन मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली। कांग्रेस की कमान जब 90 के दशक में सोनिया गांधी ने संभाली तो वह उनके मुख्य सेनापतियों में एक रहे। 2001 को यूपी के मैनपुरी में चॉपर क्रैश में उनकी मौत हो गई। पिता की मौत के ठीक बाद बेटे ज्योतिरादित्य ने उनकी राजनीतकि विरासत संभाली और कांग्रेस को अपना लॉन्च पैड बनाया।

पिता की तरह उन्हें भी कांग्रेस सरकार में मंत्री बनने का मौका मिला और 2012 से 2014 के बीच पावर मिनिस्ट्री का कार्यभार संभाला। ज्योतिरादित्य ने कांग्रेस से ख्याति पाई तो वहीं अंत-अंत में अपनी जमीन भी खोनी पड़ी और वर्ष 2019 में पारंपरिक गुना सीट से लोकसभा चुनाव हार गए। शायद यही बड़ी वजह रही होगी, जब ज्योतिरादित्य को पार्टी छोड़ने की जरूरत महसूस होने लगी हो और वे धीरे-धीरे खुद को कांग्रेस से दूर करते चले गए।

दूषित जल से बढ़ेंगी मुश्किलें

साधन संपन्न लोगों ने तो घर में आरओ की फिल्टर मशीन लगा कर शुद्ध पानी का प्रबंध कर रखा है, लेकिन साधारण लोगों के पास ऐसी व्यवस्था नहीं होने के कारण इनके सामने नाले से गुजरते जर्जर पाइप का दूषित पानी पीने के सिवा दूसरा कोई चारा नहीं। प्रदूषित पानी का नतीजा है कि लोगों को पीलिया, डायरिया व टायफायड जैसी बीमारियों का शिकार होना पड़ रहा है। यह समस्या और बढ़ेगी, अगर हम जिम्मेदार नहीं बनेंगे।

नीति आयोग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में 70 प्रतिशत जल की आपूर्ति दूषित हो रही है। सेफ वाटर नेटवर्क की रिपोर्ट के मुताबिक भी जल गुणवत्ता सूचकांक के 122 देशों में भारत का स्थान 120वां है। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2050 तक बढ़ती आबादी व जल के बढ़ते कारोबारी इस्तेमाल की वजह से प्रति व्यक्ति जल की खपत में 40 से 50 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। वाटर एड की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 16.3 करोड़ लोग स्वच्छ जल पीने से महरूम हैं। शहरी इलाकों में अधिकांशतः झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोग पीने योग्य जल से महरूम हैं। शहर के ऐसे इलाकों में पाइपलाइन बिछाना भी मुश्किल है। लिहाजा, झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के लिए जल के छोटे-छोटे उपक्रमों को स्थापित करने की बड़ी जरूरत है। सेफ वाटर नेटवर्क की रिपोर्ट के अनुसार शहरों के झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाली 37 करोड़ की आबादी को साफ जल मुहैया कराने के लिए सरकार को 2.2 लाख जल के छोटे-छोटे उपक्रम स्थापित करने होंगे, जिनकी लागत 44 हजार करोड़ रुपए के आसपास होगी।

यहां सवाल का उठना लाजिमी है कि क्या सरकार सभी नागरिकों को साफ जल उपलब्ध कराने के लिए तैयार है? सवाल सरकार द्वारा सभी घरों तक पीने योग्य जल पहुंचाने के लिए आधारभूत संरचना विकसित करने की भी है। सभी के घरों तक जल पहुंचाने के लिए पाइप लाइन की जरूरत है। देश की 82 करोड़ आबादी आज भी पाइपलाइन से जल नहीं पी रही है। समस्या गांवों में जल को पीने योग्य बनाने की भी है। वहां जल को साफ करने की कोई बुनियादी सुविधा उपलब्ध नहीं है। ग्रामीण आबादी अभी भी नदी, कुएं, तालाब से सीधे जल पी रही है, जिससे उनके स्वास्थ्य को भारी खतरा है। वर्ष 2014 में दूषित जल को साफ करने वाले 12 हजार सयंत्र उपलब्ध थे, जो 2018 के अंत तक बढ़कर 50 हजार हो गए हैं। सेफ वाटर नेटवर्क के मुताबिक अगर जल को साफ करने की पहल के लिए सरकारी नीति बनाई जाती है तो वर्तमान स्थिति मे जरूर बेहतरी आ सकती है। हालांकि, सरकार ने वर्ष 2030 तक सभी घरों में पाइपलाइन के जरिए पीने योग्य जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा है, जिस पर पांच लाख करोड़ रुपए की आधारभूत संरचना विकसित करनी होगी।

भारत की ग्रामीण इलाकों में लगभग 63 करोड़ लोग ऐसे हैं, जो आज भी दूषित जल पीने के लिए मजबूर हैं, जबकि 2017 में विश्व जल दिवस के दिन संयुक्त राष्ट्र संघ ने साफ जल पीना इंसान का बुनियादी हक बताया था। वर्ष 2008 की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत की 88 प्रतिशत आबादी के पास जल उपलब्ध था, लेकिन शहरी क्षेत्र में पीने योग्य पानी तक पहुंच केवल 31 प्रतिशत आबादी की थी, जबकि ग्रामीण इलाकों में यह प्रतिशत महज 21 थी। हमारे देश पर पकृति शुरू से मेहरबान रही है। प्रकृति ने हमें घने जंगल, बड़ी-बड़ी नदियां, तालाब और झील जैसी प्राकृतिक संसाधनों से नवाजा है, लेकिन हम अपनी लालची प्रवृति की वजह से धीरे-धीरे इन्हें खत्म करने पर तुले हैं। मौजूदा स्थिति को दृष्टिगत करके अनुमान लगाया जा रहा है कि वर्ष 2025 तक हमारे देश में जल की भारी कमी हो जाएगी। उपलब्ध पानी भी पीने योग्य नहीं होंगे। ऐसा नहीं है कि सरकार संकट से अंजान है। बावजूद इसके सरकार की नीतियां जल को दूषित करने और जलसंकट को बढ़ावा देने वाली हैं। सरकार की मेक इन इंडिया की संकल्पना को साकार करने के लिए भारी मात्रा में पानी की जरूरत है।

इस समय कोई भी कल-कारखाना जल के बिना नहीं चल सकता है। कल-कारखानों को जल को दूषित करने वाला सबसे बड़ा कारक माना जा सकता है। सरकार 100 स्मार्ट सिटी भी बनाना चाहती है, जिनके निर्माण के लिए भारी मात्रा में जल की जरूरत होगी। देश की प्रमुख नदी यमुना मर चुकी है। हिंडन का भी स्वर्गवास हो गया है। गंगा नदी भी वेंटीलेटर पर है। बावजूद इनके, सरकार कागजों पर इन्हें पुनर्जीवित करने का दावा कर रही है। जल के वाष्पीकरण, अपवाह या उपसतही जल निकासी से होने वाले नुकसानों का कम करने, भूमि की सिंचाई के लिए जल की जरूरत का निर्धारण करने, वाष्पीकरण को नियंत्रित करने, खेतों में जल का समान वितरण सुनिश्चित करने, सिंचाई के तरीकों में बदलाव लाने, ड्रिप सिंचाई विधि को बढ़ावा देने, अधिक से अधिक पौधा रोपन या वृक्षारोपण करने, वर्षा के जलको सहेजने आदि की मदद से मौजूदा स्थिति में बदलाव लाया जा सकता है।

जल प्रबंधन आज हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन अभी भी हम इसकी अहमियत नहीं समझ पाए हैं। जल-संरक्षण के कार्यान्वयन या जल-दक्षता उपायों को अपनाते हुए जल-प्रयोग में कमी लाने की जरूरत है। जल संरक्षण का उपाय एक क्रिया भर है, जिसे आदतों में लाकर सफल बनाया जा सकता है। दूषित जल पीने से हम जीवित तो जरूर रह सकते हैं, लेकिन हमारी आयु कम हो सकती है। हम कई तरह की बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं। दूषित जल से फसलों की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। अस्तु, खेती-किसानी के लिए स्वस्थ पानी और पीने के लिए स्वच्छ पानी की जरूरत है। दूषित जल में हजारों की संख्या में कीटाणु होते हैं, जो हमारी मौत के कारक बनते हैं। हालांकि, दूषित जल को उबालकर, कैन्डल वाटर फिल्टर, क्लोरीनेशन, देशी विधि से शुद्धिकरण, हैलोजन टैबलेट व आरओ सिस्टम, यूवी रेडिएशन प्रणाली आदि की मदद से इसे शुद्ध किया जा सकता है, लेकिन इन प्रक्रियाओं से शिक्षा और जानकारी के अभाव में कुछ ही लोग जल को शुद्ध कर सकते हैं।

कहा जा सकता है कि दूषित जल एक गंभीर मसला है, जिसके निदान के लिए सरकार तो कोशिश करने में जुटी है, लेकिन यह हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम स्थिति को बेहतर करने के लिए पहल करें। अगर समय रहते अपनी मानसिकता एवं आदतों में बदलाव नहीं लाएंगे तो हम खुद ही अपनी नियति के लिए जिम्मेदार होंगे। धरती के जल के दूषित होने के बाद अब समुद्र के खारे जल को पीने योग्य बनाने की पहल की जा रही है। वैज्ञानिकों ने ऐसा खास फिल्टर तैयार किया है जिससे समुद्र के बेस्वाद पानी को पीने के लायक बनाया जा सकेगा। यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर के वैज्ञानिकों की एक टीम ने यह उपकरण बनाया है। इससे दूषित पदार्थों को छानने में सफलता मिली है। यह खोज भविष्य के लिए वरदान साबित हो सकती है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी थी कि 2025 तक दुनिया के 1.20 अरब लोगों को साफ पानी मिलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

वैज्ञानिकों के बनाए फिल्टर से पानी से नमक को निकाला जा सकता है और उसे पीने योग्य बनाया जा सकता है। मानव जनित जलवायु परिवर्तन के कारण शहरों में पानी की आपूर्ति पर असर पड़ा है। ऐसे में कई देश डीसैलिनैशन (विलवणीकरण-पानी से लवणों को निकालने की प्रक्रिया) पर काफी खर्च कर रहे हैं। मैनचेस्टर में टीम का नेतृत्व करने वाले प्रोफेसर राहुल नायर ने बताया कि यह आगे बढ़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे डीसैलिनैशन तकनीक को और बेहतर करने दिशा में नए संभावनाओं का द्वार खुलेगा।

ट्विटर

हमारी पार्टी तोड़फोड़ नहीं करती, कांग्रेस अपने घर को नहीं संभाल पा रही है। डूबते जहाज में कोई नहीं बैठना चाहता और वह पूरा दोष हम पर मढ़ना चाह रही है।

शाहनवाज हुसैन, भाजपा नेता

जब तक ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस में थे तो महाराज थे लेकिन उन्होंने पार्टी छोड़ दी तो उन्हें माफिया कहा जा रहा है। कांग्रेस पार्टी के ये दोहरे मापदंड कतई नहीं चलेंगे।

शिवराज सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री

सत्यार्थ

प्रेम सबका इलाज

उन दिनों स्वामी दयानंदजी फर्रुखाबाद में गंगा तट पर ठहरे हुए थे। थोड़ी ही दूरी पर एक झोपड़ी में एक दूसरा साधु भी रहता था। वह रोज नियम से दयानंद की कुटिया के पास आकर उन्हें गालियां देता रहता और जब गालियां देकर थक जाता, तो वापस अपनी कुटिया में चला जाता। दयानंद उसकी गालियां सुनते और मुस्करा देते, मगर कोई उत्तर न देते। एक दिन किसी ने फलों का एक टोकरा स्वामीजी के पास भेजा। उन्होंने टोकरे से अच्छे-अच्छे फल निकालकर उन्हें एक कपड़े में बांधा और एक व्यक्ति से बोले- ये फल उस साधु को दे आओ, जो कि रोज ही अपनी कृपा मुझ पर बरसाता है। व्यक्ति फल लेकर उस साधु के पास गया और बोला- बाबाजी! यह फल स्वामीजी ने आपके लिए भेजे हैं। साधु ने दयानंद का नाम सुना तो चिल्लाने लगा- अरे, यह प्रातःकाल किसका नाम ले लिया है तूने! पता नहीं अब, आज भोजन भी मिलेगा या नहीं। चला जा यहां से, ये जो फल तू लाया है, ये मेरे लिए नहीं, किसी दूसरे के लिए भेजे होंगे, क्योंकि मैं तो प्रतिदिन उसे गालियां देता हूं। वह फल क्यों भेजेगा? उस व्यक्ति ने स्वामीजी के पास वापस आकर यही बात कही। दयानंद बोले- तुम उसके पास फिर से जाओ और कहना कि आप प्रतिदिन जो अमृत वर्षा करते हैं, उसमें आपकी पर्याप्त शक्ति लगती है। ये फल इसलिए भेजे हैं कि इन्हें खाइए, जिससे आपकी शक्ति बनी रहे और अमृत वर्षा में कमी न आए। इस बार का संदेश ग्रहण करने में साधु को दिक्कत नहीं हुई। वह समझ गया कि महर्षि असभ्य को सभ्यता से, क्रूर को प्रेम से और निर्दयी को दया से जीतना जानते हैं। साधु बड़ा लज्जित हुआ और उनकी कुटिया पर जाकर उनसे क्षमा याचना की।

एंड्रॉयड और आईफोन यूजर्स को मिला Whatsapp Dark Mode का सर्पोट

जानें इसकी खासियत

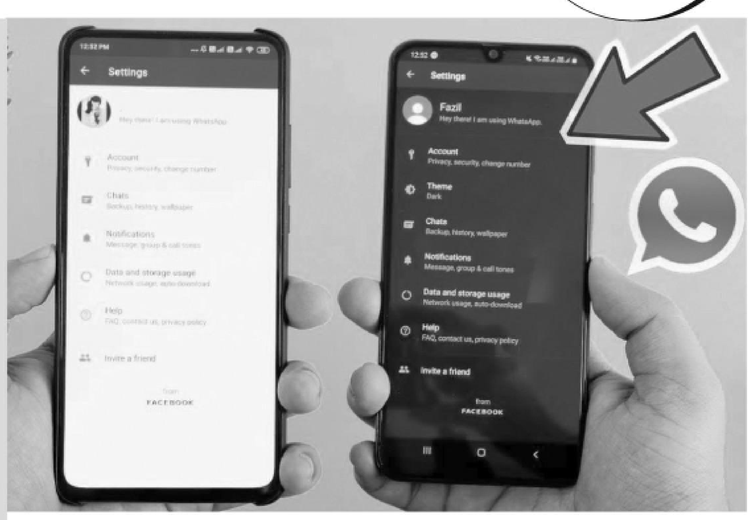

सबसे ज्यादा पॉपुलर इंस्टेंट मैसेजिंग एप व्हाट्सएप ने लंबे समय के बाद अपने एंड्रॉयड और आईओएस यूजर्स के लिए (डार्क मोड) जारी किया है। इस मोड के एक्टिवेट हो जाने पर यूजर्स की आंखों पर जोर नहीं पड़ेगा और साथ ही उनके फोन की बैटरी की खपत भी कम हो जाएगी। हालांकि, यह मोड सिर्फ कुछ चुनिंदा यूजर्स को ही मिला है। कंपनी जल्द इस मोड को अन्य यूजर्स के लिए पेश करेगी। वहीं, व्हाट्सएप ने इससे पहले भी कई सारे फीचर्स लॉन्च किए थे, जिनको यूजर्स ने बहुत पसंद किया था। तो आइए जानते है व्हाट्सएप के लेटेस्ट डार्क मोड के बारे में ...

यूजर्स को मिलेगा डार्क ग्रे बैकग्राउंड

व्हाट्सएप का कहना है कि हमने अपने इस लेटेस्ट मोड में डार्क ग्रे बैकग्राउंड और ऑफ-व्हाइट कलर के टेक्स्ट दिए हैं, जिससे यूजर्स की आंखे जल्दी नहीं थकेंगी और बैटरी की खपत भी कम हो जाएगी। इतना ही नहीं डार्क मोड से यूजर्स का चैटिंग करने का अनुभव पहले से काफी बेहतर हो जाएगा।

डार्क मोड को ऐसे करें एक्टिवेट

एंड्रॉयड 10 और आईओएस 13 यूजर्स व्हाट्सएप के डार्क मोड को सीधा सिस्टम सेटिंग में जाकर एक्टिवेट कर सकते हैं। तो दूसरी तरफ एंड्रॉयड 9 और पुराने आईओएस यूजर्स को एप की सेटिंग में जाकर थीम के विकल्प पर क्लिक करना होगा। यहां डार्क फ्रॉम लाइट, डार्क या सिस्टम वाइड ऑप्शन को चुनें और इसके बाद डार्क मोड एक्टिवेट हो जाएगा। वहीं, आपको डार्क मोड के लिए लेटेस्ट व्हाट्सएप वर्जन डाउनलोड करना होगा।

यूजर्स अपनी जरूरत के हिसाब से डार्क मोड कर सकेंगे इस्तेमाल

व्हाट्सएप यूजर्स डार्क को अपनी सहूलियत के हिसाब से इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे पहले यूजर्स को व्हाट्सएप में व्हाइट बैकग्राउंड और डार्क कलर के टेक्स्ट की सुविधा मिलती थी। वहीं, अब कंपनी ने इस मोड में डार्क ग्रे बैकग्राउंड और ऑफ-व्हाइट कलर टेक्स्ट दिए हैं। इस मोड के जरिए यूजर्स रात में आसानी से चैटिंग कर सकते हैं। साथ ही इससे उनकी आंखों पर जोर नहीं पड़ेगा और फोन की बैटरी भी कम खर्च होगी। वॉट्सएप पर डार्क मोड थीम एंड्रॉयड और आईओएस फोन दोनों पर उपलब्ध है। आईफोन एप पर यह ब्लैक है और एंड्रॉयड पर डार्क ग्रे कलर में है। लंबे समय से इंतजार किए जा रहे इस फीचर को एक वीडियो के साथ लॉन्च किया गया है, जिसका टाइटल है Finally. Dark mode on WhatsApp.

इस तरह अपने फोन में इनेबल करें डार्क मोड फीचर

अगर आपके फोन में ये फीचर नहीं दिख रहा है तो आप मैन्यूअली गूगल प्ले स्टोर और एप स्टोर से वॉट्सएप को अपडेट कर सकते हैं। इसके बाद भी अगर आपको डार्क मोड थीम नहीं दिख रही है तो APK से आप मदद ले सकते हैं। एप का लेटेस्ट वर्जन इंस्टाल करने के बाद ये स्टेप फॉलो करें...

- अगर आप Android 10 OS और iOS 13 यूजर हैं तो आपके फोन में यह ऑटोमेटिक दिखेगा, वहीं Android 9 OS यूजर को इसे इनेबल करने के लिए सबसे पहले Settings ऑप्शन पर जाना होगा।
- इसके बाद Chats पर टैप करें।
- Chats में Display पर टैप करें।
- Display पर पर टैप करने के बाद आपको Theme दिखेगी, इसमें आप Dark Theme चुनें और इनेबल करें।
- एंड्रॉयड 9 में बैटरी सेविंग सेटिंग्स के अनुसार सेटिंग्स में लाइट और डार्क थीम आ जाएगी, एक बार सेटिंग्स इनेबल होने पर आप अपने फोन को रिस्टार्ट कर डार्क मोड फीचर पा सकते हैं।

ट्विटर पर आने वाला है नया फीचर

24 घंटे में गायब हो जाएंगे ट्वीट्स

माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर इन दिनों एक नया फीचर टेस्ट किया जा रहा है, जिसके बाद इंस्टाग्राम स्टोरीज की तरह ही 24 घंटे में अपने आप डिलीट होने वाले ट्वीट्स किए जा सकेंगे। फिलहाल इस फीचर को केवल ब्राजील में टेस्ट किया जा रहा है। कंपनी का कहना है कि ऐसे ट्वीट्स को उनके अपने आप डिलीट होने से जुड़े फीचर के चलते fleets कहा जाएगा।

ओरिजनल ट्वीट्स डायरेक्ट मेसेज की तरह मिलेंगे

24 घंटे में अपने आप डिलीट होने वाले इन फ्लीट्स को रिट्वीट नहीं किया जा सकेगा और उनपर लाइक का ऑप्शन भी यूजर्स को नहीं मिलेगा। हालांकि, इनपर किए जाने वाले रिप्लाइ ओरिजनल ट्वीट करने वाले को डायरेक्ट मेसेज की तरह मिलेंगे। इस तरह ट्वीट पर पब्लिक रिस्पॉन्स और पब्लिक डिस्कशन नहीं होगा। ट्वीट करने वाला यूजर चाहे तो पर्सनल मेसेजेस में रिप्लाइ कर सकता है। साथ ही इनको नए यूजर्स को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, जो नॉर्मल ट्वीट्स के पब्लिक और परमानेंट नेचर की वजह प्लैटफॉर्म का इस्तेमाल नहीं करते। प्रेजिडेंट डोनाल्ड ट्रंप और पीएम नरेंद्र मोदी जैसे पावरफुल यूजर्स होने के बावजूद ट्विटर बाकी टेक कंपनियों फेसबुक और गूगल के मुकाबले यूजर ग्रोथ से लेकर एडवर्टाइजिंग रेवन्यू के मामले में पीछे है।

बढ़ाएगा यूजरबेस

ट्विटर डिसअपियरिंग ट्वीट्स जैसे नए फीचर्स की मदद से ज्यादा यूजर्स को प्लैटफॉर्म पर अट्रैक्ट करने की कोशिश कर रहा है। नया फीचर स्नैपचैट, फेसबुक और इंस्टाग्राम के स्टोरीज फीचर से मिलता जुलता है, जिसमें 24 घंटे के लिए फोटो और मेसेजेस शेयर किए जा सकते हैं और उसके बाद अपने आप डिलीट हो जाते हैं। ऐसे फीचर सोशल मीडिया यूजर्स के बीच काफी पॉपुलर हुए हैं।

इन यूजर्स को फायदा

ट्विटर एक ओर तो फेसबुक और इंस्टाग्राम से काफी अलग है, वहीं दूसरी ओर इसका यूजरबेस भी कन्वर्सेशन्स और पब्लिक डिस्कशन ज्यादा करता है। ऐसे में नए यूजर्स, जो अपने ट्वीट्स को परमानेंट नहीं रखना चाहते और उनपर पब्लिक रिप्लाइ नहीं चाहते, उनके लिए ये नए फ्लीट्स काफी काम के हो सकते हैं। इसे कब लाया जाएगा, इससे जुड़ी कोई जानकारी अभी शेयर नहीं की गई है।

WhatsApp पर मिल रहे हैं ये पांच कमाल के फीचर्स, चुनें अपना फेवरिट

मेसेजिंग प्लैटफॉर्म वॉट्सएप पर मिलने वाले लेटेस्ट अपडेट में कई फीचर्स यूजर्स को दिए गए हैं, तो वहीं कुछ को अभी बीटा वर्जन में टेस्ट किया जा रहा है। फेसबुक की ओनरशिप वाले इस एप पर यूजर्स की जरुरत के हिसाब से नए फीचर्स एड किए गए हैं और लेटेस्ट अपडेट कई कमाल फीचर्स सभी यूजर्स के लिए लेकर आ सकता है। चैटिंग के लिए इस एप पर टेक्स्ट के अलावा मल्टीमीडिया का इस्तेमाल तो आप कर ही सकते हैं, साथ ही ग्रुप विडियो कॉलिंग और वॉइस कॉलिंग का विकल्प भी अब यूजर्स को मिल रहा है। वॉट्सएप पर ये पांच कमाल फीचर्स मिल रहे हैं।

डार्क मोड

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार वॉट्सएप यूजर्स के लिए डार्क मोड एंड्रॉयड और आईओएस दोनों पर डार्क मोड रोलआउट कर दिया गया है। कई महीनों से इसकी बीटा टेस्टिंग चल रही थी। डार्क मोड की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें चैटिंग के दौरान आंखों को परेशानी नहीं होती। इसके साथ ही डार्क मोड फोन के स्क्रीन से निकलने वाली लाइट को भी कम कर देता है, जिससे फोन की बैटरी भी कम खर्च होती है। यह फीचर इनेबल करने के लिए यूजर्स को वॉट्सएप चैट्स में जाकर थीम ऑप्शन पर टैप करना है। इसके बाद यहां दिए गए डार्क फ्रॉम लाइट, डार्क या सिस्टम वाइड ऑप्शन को सिलेक्ट करें।

एनिमेटेड स्टिकर्स

वॉट्सएप अब अपने यूजर्स के लिए एनिमेटेड स्टिकर्स जारी करने की तैयारी कर रहा है। WABetaInfo की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वॉट्सएप का यह फीचर अभी जारी नहीं किया गया है, लेकिन इसकी टेस्टिंग एंड्रॉयड, आईओएस और वेब के लिए की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक इन एनिमेटेड स्टिकर्स को मौजूदा स्टिकर्स पैक में जोड़ा जाएगा। इसके बाद बाकी चैटिंग एप्स की तरह वॉट्सएप पर भी एनिमेटेड स्टिकर्स चैटिंग के दौरान भेजे जा सकेंगे। इस फीचर का सर्पोट एंड्रॉयड के अलावा iOS यूजर्स को भी मिलेगा।

वॉट्सएप प्रोटेक्ट बैकअप

हाल ही में मिले वॉट्सएप अपडेट में नया प्रोटेक्ट बैकअप फीचर देखने को मिला है। इस फीचर की मदद से वॉट्सएप चैट बैकअप को पासवर्ड प्रोटेक्टेड किया जा सकेगा। ऐसा करने के बाद बाकी वॉट्सएप बैकअप के कंटेंट एक्सेस नहीं कर पाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि लेटेस्ट वॉट्सएप फॉर एंड्रॉयड बीटा अपडेट में नया प्रटेक्ट बैकअप फीचर दिखा है। हालांकि, यह फीचर्स अभी यूजर्स के लिए उपलब्ध नहीं है, ऐसे में बीटा टेस्टर होने पर भी आप अभी इसे इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे।

लो-डेटा मोड

हाल ही में iOS यूजर्स के लिए यह अपडेट दिया गया है। इससे पहले लो-डेटा यूजेस फीचर्स वॉट्सएप कॉलिंग के लिए लाया गया था लेकिन इसे एप पर इंटीग्रेट कर दिया गया है। फीचर की मदद से एप कम डेटा का इस्तेमाल करेगा। ब्लॉग पोस्ट में इस फीचर की जानकारी दी गई है और और बताया गया है कि इस फीचर को ऑन करने के बाद एप सेल्युलर डेटा की मदद से फाइल्स ऑटोडाउनलोड नहीं होंगी, भले ही सेटिंग्स में ऑटोडाउनलोड का ऑप्शन इनेबल हो।

सेल्फ-डिस्ट्रक्टिंग/डिसअपियरिंग मेसेज एप पर मिलने वाले इस फीचर की मदद से यूजर्स की ओर से भेजे या रिसीव किए गए मेसेज को एक सेट की गई टाइम लिमिट के बाद गायब कर देगा। वॉट्सएप अपडेट्स को मॉनिटर करने वाली वेबसाइट WABetaInfo की मानें तो वॉट्सएप अभी इस फीचर की टेस्टिंग कर रहा है। डिसअपियरिंग मेसेज फीचर को वॉट्सएप के बीटा वर्जन 2.19.275 में देखा गया है। वॉट्सएप का यह फीचर सबसे पहले ग्रुप चैट्स के लिए रोलआउट किया जा सकता है। इस फीचर को ग्रुप एडमिन यूज कर पाएंगे और तय कर सकेंगे कि कोई मेसेज कितनी देर बार डिलीट हो जाएगा।

महिलाओं के लिए सुरक्षा कवच हैं ये पांच स्मार्ट एप्स

मुसीबत में आएंगे बहुत काम अपने स्मार्टफोन में करें डाउनलोड

Safetypin

इस एप को खास महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाया है। इस एप में यूजर को जीपीएस ट्रैकिंग, इमरजेंसी कॉन्टैक्ट नंबर और सेफ लोकेशन जैसे फीचर्स मिले हैं। इसके अलावा यूजर्स इस एप में सुरक्षित और असुरक्षित जगहों की जानकारी हासिल कर सकते हैं। वहीं, यह एप अंग्रेजी और हिंदी भाषा को सपोर्ट करता है।

Himmat Plus

दिल्ली पुलिस ने इस एप को खास महिलाओं के लिए पेश किया है। इस एप को इस्तेमाल करने के लिए यूजर को सबसे पहले दिल्ली पुलिस की साइट पर जाकर अपने आपको रजिस्टर करना होगा। यूजर को इस एप में एसओएस बटन की सुविधा मिलेगी, जिससे आपातकाल की स्थिति में यूजर की लोकेशन, ऑडियो और वीडियो सीधा पुलिस कंट्रोल रूम तक पहुंच जाएगी। वहीं, इस एप के लिए किसी तरह का चार्ज नहीं देना पड़ेगा।

Women Safety

इस एप की खासियत है कि ये किसी इमरजेंसी के समय यूजर की आवाज का 45 सेकेंड का संदेश, वीडियो और लोकेशन आपातकालीन नंबर पर भेज सकता है।

Shake To Safety

महिलाओं की सुरक्षा के लिए ये एप बहुत ही कारगर है। इसमें संदेश को बस फोन हिलाकर या पॉवर बटन को चार बार दबाकर पहले से तय किए गए नंबरों पर भेजा जा सकता है। इस एप की खासियत है कि आप चाहें तो फोन हिलाकर संदेश भेजने वाली सुविधा को बंद भी किया जा सकता है।

Bsafe

आप इस एप का इस्तेमाल अपनी सुरक्षा के लिए कर सकते है। इसमें आपको एसओएस और लोकेशन शेयरिंग जैसे फीचर मिलेंगे, जिससे आप इन्हें आपातकाल की स्थिति में इस्तेमाल कर पाएंगे। वहीं, इस एप का साइज 16 एमबी है।

कोरोनावायरस से बचने साउथ कोरिया ने लॉन्च किया Corona 100m स्मार्ट एप

ऐसे करेगा काम

चीन से शुरू हुआ कोरोनावायरस भारत भी पहुंच गया है। भारत में अभी तक 30 लोग कोरोनावायरस से संक्रमित हैं। कोरोना से बचने के लिए सभी देश अलर्ट हैं और तरह-तरह के इंतजाम किए जा रहे हैं। कोरोना से बचने के लिए दक्षिण कोरिया ने एक ऐसा मोबाइल एप लॉन्च किया है जो लोगों को कोरोनावायरस के बारे में अलर्ट करता है। आइए जानते हैं कैसे काम करता है यह एप...

Corona 100m नाम से है यह एप

साउथ कोरिया की सरकार ने कोरोना 100एम नाम से एक मोबाइल एप लॉन्च किया है जो लोगों को 100 मीटर की दूरी से ही कोरोनावायरस के बारे में अलर्ट करने में सक्षम है। इस एप को गूगल प्ले-स्टोर से फ्री में डाउनलोड किया जा सकता है। अब सवाल यह है कि यह एप काम कैसे करता है तो आपको बता दें कि कोरोना 100एम नाम का यह एप लोकेशन के हिसाब से अलर्ट जारी करता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी इलाके में कोरोनावायरस से संक्रमित मरीज मिला है तो उस इलाके में पहुंचने से पहले यह एप आपको अलर्ट करेगा।

हर घंटे 20 हजार से अधिक डाउनलोड

यह एप कोरोनावायरस का अलर्ट देने के लिए coronavirus.app जैसी ग्लोबल वेबसाइट के आंकड़ों का इस्तेमाल करता है। गूगल प्ले-स्टोर से इस एप को हर घंटे 20 हजार लोग डाउनलोड कर रहे हैं और अभी तक इसे 10 लाख लोगों ने डाउनलोड किया है। हालांकि कोरोनावायरस का अलर्ट देने वाले एप लॉन्च करने वाला साउथ कोरिया दुनिया का पहला देश नहीं है। इससे पहले चीन और जापान भी इस तरह के एप लॉन्च कर चुके हैं।

Coronavirus के कारण रद्द हुए गूगल, फेसबुक, रियलमी जैसी बड़ी कंपनियों के ये बड़े इवेंट्स

चीन से शुरू हुआ कोरोनावायरस दुनियाभर के करीब 60 देशों में फैल चुका है। कोरोनावायरस से दुनियाभर में अभी तक 93,158 लोगों के संक्रमित होने की खबर है, वहीं अभी तक 3,200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना का असर दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी बहुत गहरा पड़ रहा है। फेसबुक, गूगल, रियलमी और शाओमी जैसी बड़ी टेक कंपनियों को अपने इवेंट रद्द करने पड़े हैं। आइए जानते हैं कि कोरोनावायरस की वजह से अभी तक कितने टेक इवेंट रद्द हुए हैं।

Xiaomi

12 मार्च को नई दिल्ली में शाओमी का इवेंट होने वाला था जिसमें Redmi Note 9 सीरीज की लॉन्चिंग होने वाली थी जिसे रद्द कर दिया गया है। शाओमी इंडिआ के मैनेजिंग डायरेक्टर मनु कुमार जैन ने ट्वीट करके कोरोना वायरस के कारण इवेंट को रद्द करने की जानकारी दी है।

Google I/O 2020

गूगल हर साल I/O डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन करता है। साल 2020 में भी गूगल का यह इवेंट 12-14 मई के बीच होने वाला था जिसे कोरोनावायरस के कहर को देखते हुए रद्द कर दिया गया है।

Realme

चीन की स्मार्टफोन निर्माता कंपनी रियलमी 5 मार्च को नई दिल्ली में Realme 6 सीरीज लॉन्च करने वाली थी जिसे कंपनी ने रद्द कर दिया है और कहा है कि लॉन्चिंग इवेंट का आयोजन ऑनलाइन होगा।

MWC 2020

हर साल स्पेन के बार्सिलोना में आयोजित होने वाला दुनिया का सबसे बड़ा टेक्नोलॉजी शो मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2020 भी कोरोनावायरस के कारण रद्द हो गया है। उसके बाद ऐसे कई इवेंट का आयोजन अलग से किया गया जो कि मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस में होने थे।

Google Cloud Next

गूगल का क्लाउड इवेंट आगामी 6-8 अप्रैल को सैन फ्रांसिस्को में होने वाला था जिसे रद्द कर दिया है। अब इस इवेंट का आयोजन ऑनलाइन होगा।

Facebook F8

फेसबुक ने गुरुवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि कोरोना वायरस के एहतियातन एनुअल डेवलपर कॉन्फ्रेंस एफ8 को रद्द किया जाता है। पिछले साल आयोजित फेसबुक के एफ8 कॉन्फ्रेंस में करीब 5,000 लोग शामिल हुए थे जो कि 5-6 मई को कैलिफोर्निया में आयोजित हुआ था। कंपनी ने कहा है कि इवेंट का आयोजन ऑनलाइन होगा और वीडियो जारी किया जाएगा।

Microsoft MVP Global Summit

माइक्रोसॉफ्ट 15-20 मार्च के बीच वाशिंगटन में ग्लोबल समिट करने वाली थी जिसे अब रद्द कर दिया गया है। इस इवेंट का आयोजन भी अब ऑनलाइन ही किया जाएगा।

Google News Initiative Summit

गूगल का न्यूज इनिसिएटिव समिट भी अप्रैल में कैलिफोर्निया में होने वाला था जिसे अब रद्द कर दिया गया है।

Facebook Global Marketing Summit

फेसबुक का ग्लोबल मार्केटिंग समिट 9-12 मार्च के बीच सैन फ्रांसिस्को में होने वाला था जिसे कैंसिल कर दिया गया है।

Adobe Summit

सॉफ्टवेयर कंपनी एडोबी का इवेंट 29 मार्च से 2 अप्रैल के बीच होने वाला था जिसे रद्द कर दिया गया है।

Nvidia GTC

ग्राफिक्स के लिए जानी जाने वाली कंपनी एनविडिया का जीपीयू टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस रद्द हो गया है। इस इवेंट का आयोजन मार्च 22-26 के बीच सैन जोस में होना था। अब यह इवेंट भी ऑनलाइन ही होगा

TikTok कंपनी ने लॉन्च किया म्यूजिक स्मार्ट एप Resso

ऐसे करेगा काम

भारत में टिकटॉक सबसे ज्यादा लोकप्रिय सोशल मीडिया एप है। अपने एप की लोकप्रियता को देखते हुए टिकटॉक की पैरेंट कंपनी बाइटडांस नए फीचर्स भी समय-समय पर पेश करते रहती है, वहीं अब कंपनी ने भारत में अपना एक नया म्यूजिक एप Resso लॉन्च किया है। बाइटडांस के रेशो एप का सीधा मुकाबला जियो म्यूजिक, गाना, स्पॉटिफाई जैसे म्यूजिक एप से होगा। बाइटडांस ने रेशो एप को सोशल म्यूजिक स्ट्रीमिंग एप नाम दिया है।

रेशो एप में खुद गाना गाने का मजा होगा दुगना

रेशो एप की खासियत यह है कि इसमें गाना सुनने के अलावा आप खुद ही कैरोअके के साथ गाना गा भी सकते हैं। गाने के लिए आपको कई सारे म्यूजिक ट्रैक और लिरिक्स मिलेंगे। इस एप पर यूजर्स अपने कंटेंट भी शेयर कर सकेंगे और कॉमेंट कर सकेंगे। लिरिक्स म्यूजिक के साथ डिस्प्ले पर दिखेगा जिसकी मदद से यूजर्स अपना गा सकेंगे। अभी तक किसी म्यूजिक एप में लिरिक्स की सुविधा नहीं है। ऐसे में रेसो को इसका फायदा मिल सकता है। इसमें जिम, रिलैक्स जैसे कई मोड्स भी दिए गए हैं। रेशो म्यूजिक एप में किसी गाने पर किया गया कॉमेंट पब्लिक होगा, जिसे कोई भी देख सकेगा।

अभी तक पांच लाख लोग कर चुकें डाउनलोड

वैसे तो रेशो एप फ्री है, लेकिन कुछ खास सुविधाओं के लिए आपको पैसे देने होंगे। एंड्रॉयड के लिए रेसो एप की मासिक पेड सर्विस 99 रुपए और आईफोन के लिए 199 रुपए है। पेड सर्विस लेने पर यूजर्स को म्यूजिक डाउनलोड करने और हाई क्वालिटी ऑडियो जैसी सुविधाएं मिलेंगी। इस एप को अभी तक पांच लाख लोगों ने डाउनलोड कर लिया है।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor: ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.

कोरोना वायरस के चलते वाघा रिट्रीट समारोह निलंबित, अमृतसर में कारोबार को नुकसान

■ अमृतसर/प्रभातसूरी

कोरोना वायरस के चलते अटारी-वाघा सीमा पर मशहूर बीटिंग रिट्रीट समारोह निलंबित होने के कारण अमृतसर में पर्यटकों की आमद कम हो गई है, जिसका भोजनायलयों और छोटे कारोबारों पर बुरा असर पड़ा है। कोरोना वायरस से अमृतसर के होटल और पर्यटन उद्योग को भी नुकसान हुआ है। हर दिन लगभग 50 हजार पर्यटक सीमा की यात्रा पर आते थे। इनमें से अधिकतर पर्यटक बीटिंग रिट्रीट समारोह की झलक पाने आते थे, जिसे अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया है। टैक्सी ऑपरेटर रमन शर्मा ने कहा कि समारोह निलंबित होने से पहले वे रोजाना सैंकड़ों बुकिंग लिया करते थे। वे पर्यटकों को अंतरराष्ट्रीय सीमा की यात्रा के लिये छोटे-बड़े वाहन मुहैया कराते हैं। शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा, हाल ही में कोरोना वायरस के चलते रिट्रीट समारोह निलंबित होने से मेरी रोजी-रोटी पर बहुत बुरा असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि उन्हें उनके लिये काम करने वाले 20 ड्राइवरों को वेतन देना है, लेकिन अब उनके लिये हालात बहुत मुश्किल हो गए हैं। अमृतसर के उपायुक्त शिवदुल्हर सिंह ढिल्लों ने कहा, कोरोना वायरस के बढ़ते डर के चलते रिट्रीट समारोह रोक दिया गया है। जन स्वास्थ्य को मद्देनजर रखते हुए यह फैसला लिया गया। अगले आदेश तक लोगों के प्रवेश पर पाबंदी जारी रहेगी।

सीमा की ओर जा रहे 25 किलोमीटर लंबे अमृतसर-अटारी रोड पर स्थित मशहूर होटल-सह-रेस्त्रां सरहद में भी सन्नाटा छाया हुआ है। इसके मालिक अमन जसपाल ने कहा कि रिट्रीट समारोह निलंबित होने के बाद उनके रेस्त्रा में पर्यटकों की आमद में भारी गिरावट आई है। उन्होंने कहा, मौजूदा हालात में सरकार को होटल उद्योग को सेवा कर से छूट देनी चाहिये क्योंकि कर्मचारियों, बिजली के बिल और अन्य चीजों पर खर्च से बचा नहीं जा सकता। सरकार को कम से कम भारत-पाक सीमा के निकट स्थित होटलों को बचाने के लिये छोटे-छोटे कदम उठाने चाहिये।

गीता शर्मा ने पंजाब एग्रो फूड ग्रेन कोर्पोरेशन के चेयरपर्सन के तौर पर पद संभाला

मुख्यमंत्री के सलाहकार भरत इंदर चहल की हाजिरी में संभाला पद

■ चंडीगढ़/विजय कुमार

पंजाब ब्राह्मण सभा की महिला विंग की प्रधान श्रीमती गीता शर्मा ने गुरूवार को यहाँ पंजाब के मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री भरत इंदर सिंह चहल की हाजिरी में पंजाब एग्रो फूड ग्रेन कोर्पोरेशन के चेयरपर्सन के तौर पर पद संभाला।

श्री चहल ने गीता शर्मा को उनकी नई नियुक्ति पर बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके योग्य नेतृत्व अधीन फूड ग्रेन कोर्पोरेशन क्षेत्र और प्रोत्साहित होगा जिसका सीधा फ़ायदा किसानों को होगा। श्रीमती गीता शर्मा ने यह ज़िम्मेदारी देने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह का धन्यवाद करते हुए कहा कि वह कोर्पोरेशन को नयी ऊँचाईयों पर ले जाने के लिए अपनी योग्यता और सामर्थ्य से संस्था की सेवा करेंगे।

उन्होंने मुख्यमंत्री को भरोसा दिया कि वह चेयरपर्सन के तौर पर अपनी ज़िम्मेदारियों और फर्ज़ों को पूरी लगन, ईमानदारी और वचनबद्धता से निभाएंगे।

खेल, युवा सेवाएं एवं प्रवासी भारतीय मामलों संबंधी मंत्री राणा गुरमीत सिंह सोढी ने विशेष तौर पर श्रीमती गीता शर्मा को पद संभालने से पहले मिलकर शुभकामनाएँ दीं।

इस मौके पर अन्यों के अलावा पंजाब एग्रो इंडस्ट्रीज़ कोर्पोरेशन के एम.डी. श्री मनजीत सिंह बराड़, पंजाब के राज्य सूचना कमिश्नर श्री संजीव गर्ग, पंजाब ब्राह्मण सभा के प्रधान श्री शेखर शुक्ला, उप प्रधान श्री वी.के. वैद और श्री रोहित शर्मा भी उपस्थित थे।

डिप्टी कमिश्नर की तरफ से लोगों को कोरोना वायरस के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार और संयुक्त प्रयासों पर जोर

लोगों के भ्रम को दूर करने के साथ-साथ सावधानी का प्रयोग समय की जरूरत -डिप्टी कमिश्नर

■ जालन्धर/चंदन

डिप्टी कमिश्नर जालंधर श्री वरिन्दर कुमार शर्मा ने आज लोगों को कोरोना वायरस के प्रति जागरूक करने के लिए किये जाने वाले संयुक्त प्रयासों को लगातार जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया गया। कोरोना वायरस से स6बन्धित जिला जालंधर में स्थिति का जायजा लेने के लिए मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए डिप्टी कमिश्नर, जिन के साथ एस.एस.पी.श्री नवजोत सिंह माहल भी मौजूद थे ने कहा कि अ5ी तक जिले में कोरोना वायरस का एक भी मामला सामने नहीं आया है। उन्होने कहा कि कोरोना वायरस के कुछ भ्रमों के कारण लोगों के मन में डर बैठा हुआ है जिनको जल्द से जल्द स्पष्ट किये जाने की जरूरत है। उन्होने कहा कि इस से संबन्धित बडे स्तर पर लोक लहर चलाई जानी चाहिए जिससे लोगों के मन में पैदा हुए डर को दूर किये जा सकें। डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि सिविल और पुलिस प्रशासन की तरफ से स्वास्थ्य विभाग के साथ इस लिए कोई कमी नहीं छोडी जायेगी।लोगों को इस वायरस के प्रति अधिक से अधिक जागरूक किये जाने के साथ-साथ इस को फैलने से रोकने के लिए प्रयोग करे जाने वाले ढंग के प्रति लोगों को जागरूक करे के लिए सिविल और पुलिस प्रशासन को स्वास्थ्य विभाग के साथ बडे स्तर पर लोक जागरूकता लहर शुरू करनी चाहिए। डिप्टी कमिशनर ने कहा कि गठित की गई संयुक्त टीमों को कोरोना वायरस से संबन्धित लोगों को जागरूक करने के लिए पुख्ता प्रयास करने चाहिएं। उन्होने कहा कि लोगों को जागरूक करना चाहिए कि इस फ्लू के लक्षण आम वायरस जैसे ही हैं। जिन लोगों में इस वायरस के लक्षण दिखाई देते हैं उन लोगों को उन से एक मीटर की दूरी बना कर रखने, भीड वाले स्थानों पर जाने से परहेज करने के अतिरिक्त अपने हाथों को बार -बार धोना चाहिए। इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर पुलिस पी.एस.भंडाल, एस.पी. आर.पी.एस.संधू, उप मंडल मैजिस्ट्रेट राहुल सिंधु, सिविल सर्जन गुरिन्दर चावला और अन्य भी उपस्थित थे।

बर्फबारी और भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग बंद

■ बनिहाल/जम्मू/ब्यूरो

रामबन और उधमपुर जिले में ताजा बर्फबारी और कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण बृहस्पतिवार को जम्मू- श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया। 270 किलोमीटर लंबा यह राजमार्ग कश्मीर को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ता है।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर घाटी के लिए द्वार माने जाने वाली जवाहर सुरंग पर रात भर बर्फबारी हुई जबकि उधमपुर जिले में खेरी क्षेत्र और बनिहाल-रामबन इलाके में पूरी रात बारिश होने के कारण कई जगह भूस्खलन हो गया। ऐसे में पहले से राजमार्ग बहाली को लेकर किया जा रहा कार्य भी बाधित हुआ।

अधिकारी ने बताया कि राजमार्ग पर यातायात बंद किए जाने से रामबन, बनिहाल, उधमपुर, जम्मू और कठुआ जिलों के बीच करीब 1500 वाहन फंस गए। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के चलते दो ट्रक दुर्घटनाग्रस्त होकर क्षतिग्रस्त हुए। उन्होंने बताया कि राजमार्ग से बर्फ हटाने और भूस्खलन के मलबे को हटाने का काम जारी है।

सिंधिया को लेकर राहुल ने तोड़ी चुप्पी, कहा- राजनीतिक भविष्य के डर से आर.एस.एस. के साथ चले गए

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि ज्योतिरादित्य सिंधिया को अपने राजनीतिक भविष्य का डर लगा और वह आरएसएस एवं भाजपा के साथ चले गए। गांधी ने यह दावा भी किया कि सिंधिया को भाजपा में वो सम्मान नहीं मिलेगा जो कांग्रेस में मिल रहा था और इसका अंदाजा उन्हें हो जाएगा। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''सिंधिया जी को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। उनकी विचारधारा को जानता हूं। वह मेरे साथ कॉलेज में थे। उन्हें अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर डर लगा। उन्होंने अपनी विचारधारा को जेब में डाल दिया और आरएएसएस के साथ चले गए।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''वास्तविकता है कि उन्हें वहां सम्मान नहीं मिलेगा। वह समझ जाएंगे। उनके दिल में जो है और मुंह से जो निकल रहा है, वो अलग अलग चीज है।'' गौरतलब है कि सिंधिया के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद गांधी ने पहली बार खुलकर प्रतिक्रया व्यक्त की है। सिंधिया उनके करीबियों में गिने जाते थे। राज्यसभा उम्मीदवारों के चयन के बारे में पूछे जाने पर गांधी ने कहा, ''मैं कांग्रेस अध्यक्ष नहीं हूं। मैं राज्यसभा के उम्मीदवारों पर फैसला नहीं कर रहा हूं।''

स्पोर्ट्स

15 अप्रैल तक कोई भी विदेशी खिलाड़ी नहीं खेल पाएगा आईपीएल, कोरोना वायरस के चलते वीजा रद्द

■ नई दिल्ली/न्यूज नेटवर्क

आईपीएल की शुरूआत 29 मार्च से हो रही है जिसे देखते हुए अब सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। भारत ने कोरोना वायरस के मद्देनजर विदेश से आने वाले लोगों का वीजा 15 अप्रैल तक के लिए सस्पेंड कर दिया है। इस प्रतिबंध से राजनायिकों, अधिकारियों, सयुंक्त राष्ट्र संघ और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के कर्मचारियों को छूट मिलेगी। यह प्रतिबंध 13 मार्च 2020 से ही लागू हो जाएगा। इसमें अब जितने भी विदेशी खिलाड़ी आईपीएल के लिए भारत आने वाले थे उनपर भी रोक लग गई है। ऐसे में तकरीबन आधे महीने यानी की 15 अप्रैल तक कोई भी खिलाड़ी आईपीएल से नहीं जुड़ पाएगा।

बता दें कि इससे पहले भी महाराष्ट्र की सरकार इस पर फैसला कर चुकी है कि या तो मैच को कैंसिल किया जाए या फिर टिकट की बिक्री पर रोक लगाया जाए जिससे कोई भी दर्शक मैदान पर आईपीएल मैच देखने न आ सके। क्योंकि ऐसे में कोरोना वायरस के फैलने के आसार सबसे ज्यादा हैं और कोई भी संक्रमित हो सकता है।

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बुधवार को कहा कि राज्य में कोरोना वायरस की स्थिति को देखते हुए सरकार के पास दो ही विकल्प हैं - आईपीएल मैचों को स्थगित करना या फिर उन्हें टीवी दर्शकों तक सीमित रखना। टोपे ने पत्रकारों से कहा कि राज्य कैबिनेट ने कोरोना वायरस और आईपीएल मैचों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, चर्चा के बाद हमारे सामने दो विकल्प आए - मैचों को स्थगित करना या टिकटों की बिक्री के बिना मैचों का आयोजन करना।

इससे पहले भी बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने आईपीएल के आयोजन को तय समय पर ही करवाने की बात कही है। तो वहीं अब सौरव ने कहा कि वो एक दो दिन में इसपर फैसला लेंगे। लेकिन बावजूद इसके स्वास्थ मंत्रालय अगले हफ्ते बीसीसीआई के साथ बैठक करेगा और अंतिम फैसला लेगा। इस बार का आईपीएल 29 मार्च से शुरू होगा जहां उद्घाटन मैच में चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस की टीम आमने-सामने होगी।

साइना नेहवाल की ओलंपिक की उम्मीदों को लगा झटका, पहले ही दौर में हारकर बाहर

■ बर्मिंघम/न्यूज नेटवर्क

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल की ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को झटका लगा जब वह जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ शिकस्त के साथ आल इंग्लैंड चैंपियनशिप के महिला एकल के पहले दौर से बाहर हो गईं।

साइना को बुधवार को दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी यामागुची के खिलाफ सिर्फ 28 मिनट में 11-21 8-21 से हार झेलनी पड़ी। पुरुष एकल में हालांकि लक्ष्य सेन ने हांगकांग के च्युक यू ली को 59 मिनट चले पहले दौर के कड़े मुकाबले में 17-21 21-8 21-17 से हराया। सेन अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए दूसरे वरीय और दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन से भिड़ेंगे।

साइना बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में 46267 अंक के साथ 20वें स्थान पर चल रही हैं और 2012 लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता को 2020 तोक्यो खेलों में जगह बनाने के लिए 28 अप्रैल की कट आफ तारीख तक शीर्ष 16 में जगह बनानी होगी। साइना को ओलंपिक में क्वालीफाई करने के लिए कुछ अच्छे नतीजे हासिल करने होंगे। आगामी हफ्तों में इस भारतीय खिलाड़ी को स्विस ओपन (17 से 22 मार्च), इंडिया ओपन (24 से 29 मार्च) और मलेशिया ओपन (21 मार्च से पांच अप्रैल) में हिस्सा लेना है। जापान की खिलाड़ी के खिलाफ साइना की 11 मुकाबलों में यह नौवीं हार है। वह मौजूदा सत्र में तीसरी बार पहले दौर में बाहर हुईं। साइना की हार के साथ महिला एकल में विश्व चैंपियन पीवी सिंधू भारत की एकमात्र उम्मीद बची हैं। सिंधू ने बुधवार को अमेरिका की बेइवेन झेंग को सीधे गेम में हराया था। पुरुष एकल में 18 साल के सेन भारत की एकमात्र उम्मीद हैं क्योंकि बुधवार को पी कश्यप पहले दौर के मुकाबले के बीच से हट गए जबकि बी साइ प्रणीत को हार का सामना करना पड़ा। कश्यप ने सिर्फ एक मिनट बाद ही शेसार हिरेन रुस्तावितो के खिलाफ मुकाबले से हटने का फैसला किया। वह उस समय 0-3 से पीछे थे। मिश्रित युगल में प्रणव जैरी चोपड़ा और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी ने भी दूसरे दौर में जगह बनाई जब सी वेई झेंग और या कियोंग हुआंग की शीर्ष वरीय जोड़ी उस समय मुकाबले से हट गई जब 4-5 से पीछे थी।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

IELTS • PTE • TOEFL

SPOKEN ENGLISH

TOURIST VISA | STUDY VISA | PR

WORK PERMIT | HOLIDAY PACKAGES

CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE

9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal.

HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com

Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin